जयपुरसुदसदाबरातनिनिप्रशासिअनिनियम, 1963

राजस्थानअधिधनयमसंख्या 6, 1964

[20 मार्च, 1964 कोराष्ट्रपधिकीस्वीकृधिप्राप्तहुई]।

जयपुरसुदसदाबरा िधनधिकेप्रशासनिथाउससेसंबंधि िधिषयोंकेधिएउपबं िकरनेहे िुअधिधनयम।

भारिगणराज्यकेर् ौदहिें िषचमेंराजस्थानराज्यधि िानमंडिद्वाराधनम्नि ि्अधिधनयधमिहो;-

1. संनिप्तिाम। - इसअधिधनयमकोजयपुरसुदसदाबरा िधनधिप्रशासनअधिधनयम, 1963 कहाजासकेगा।

2. पररभाषाएं। - इसअधिधनयममें, जबिकधकधिषययासंदभचसेअन्यथाअपेधि िनहो,-

(i) 'बोडच' सेइसअधिधनयमकेअीनस्थाधपिएिगधि िप्रबं िबोडचअधभप्रे िहै; (ii) 'जयपुरसूदसदाबरा िधनधि', धजसेइसअधिधनयममेंइसकेपश्चा ि्संधिप्तिाकेधिएधनधिकहागयाहै, का ि ात्पयचजयपुरसूदसदाबरा िधनधिसेहै-

(क) धजसकीस्थापनादो ि ाख, धिया ि ीसहजार, पांसौरुपयेकीपूंजीसेकीगईथी ि थाधजसेधसिम्बर, 1880 मेंमहामधहममहाराजासिाईरामधसंहजीद्वारामृत्युशय्यापरदान (अष्ट्महादानसंकल्प) केरूपमेंप्रदानधकयागयाथा। ित्का ि ीनजयपुरराज्यकेशासकद्वाराएकगां िके ि ाभकेबदिेमेंपांईजाररुपयेकाआि ि ी ि ाधषचकअनुदानिथा ित्का ि ीनजयपुरराज्यकेशासकमहाराजासिाईमा ि ोधसंहजीद्वाराधसिम्बर, 1922 मेंदानस्वरूपदीगईदो ि ाखअि ारहहजारसा िसौरुपयेकीअधिररक्तपूंजीराधशिथा

(ख) धजसमें ि िचमानमेंपांर् ि ाखअस्सीहजारनौसौरुपयेअंधकिमूल्यकीसरकारीप्रधिभूधियांशाधमिहैं, धजन्हेंपू िचि ि ीजयपुरराज्यसरकारद्वाराधदनांक 31 अक्टूबर, 1942 केआदेशसंख्या 150/एससीद्वाराधनधिकीपूंजीराधशकेरूपमेंअिगरखागयाहै:

(iii) 'धनिाचररि' काअथचहैधनयमोंयाधिधनयमोंद्वाराधनिाचररि; (iv) 'धिधनयम' काअथचहैइसअधिधनयमकेअीनबोडचद्वाराबनाएगएधिधनयम; (v) 'शासक' का ि ात्पयचजयपुरराज्यकेउसशासकसेहै, धजसेसंधि ि ानकेप्रा ि ि ानोंकेअनुसारइसरूपमेंमान्यिादीगईहै; और

(vi) 'धनयम' का ि ात्पयचइसअधिधनयमके िहिराज्यसरकारद्वाराबनाएगएधनयमोंसेहै।

3. निनिमेंवृद्धि.-धनधिमें ि ृद्धिमेंऐसेबंदोबस्तशाधमिहोंगे, जोभधिष्यमेंधनधिकीपूंजीराधशकेरूपमेंधकएजासकिेहैं।

4. निनिकीआय.- (1) धनधिकीआयमेंधनम्नधिद्धखिशाधमिहोंगे-

(क) धनधिकीपूंजीराधशपरधमिने ि ा ि ाब्याज;

(ख) दसहजाररुपएका ि ाधषचकअनुदान, धजसेराज्यसरकारराज्यकीसंधर् िधनधिमेंसे, अबिककी ि रह, प्रत्येकिषचधनधिमेंदेनेका िर्नदे ि ीहै;

(ग) बोडचद्वाराप्राप्तअन्यआि ि ीयाअना ि ि ीआय, और

(घ) धनधिमेंऐसेअन्यदानजोभधिष्यमेंउसकीपूंजीराधशकेअि ा ि ायाउसकेप्रधिधकएजासकिेहैं।

(2) ऐसीआयअनुसूधर् िबैंकमेंबर् िबैंकखा ि ेमेंयाडाकबर् िबैंकखा ि ेमेंरखीजाएगी, जैसाधकबोडचधनिाचररिकरेऔरऐसेखा ि ेकासंर् ा िनबोडचकेसधर् िद्वाराधकयाजाएगा।

5. इसकीअनभवृद्धिऔरआयकानिनितिो ि ा, निवेशऔरअनभरिा। - (1) धनधिऔरइसकीअधभिृद्धिऔरआयइसअधिधनयमकेउपबं ि ो ंकेअीनऔरइसमेंधनधदचष्ट्प्रयोजनोंकेधिएप्रबं िबोडचमेंधनधहिहोगी।

(2) धनधिकीमू िराधशिथाउसकी ि ृद्धिऔरउससेअप्रयुक्तआय, यधदकोईहो, कोऐसीसरकारीप्रधिभूधियोंमेंधनिेधशिधकयाजाएगा, जैसाधकबोडचसमय-समयपरधनिाचररिकरे ि ःबशिेधकअप्रयुक्तआयकाधनिेशके ि ि िभीधकयाजाएगा, जबऐसीआयदोधित्तीयिषों िकअप्रयुक्तरहे।

(3) ऐसीसभीप्रधिभूधियांबोडचकेअध्यिेकेनामपरबोडचकीओरसेहोंगी।

4) अध्यिऐसीप्रधिभूधियोंकोसुरधि िअधभरिाऔरउनपरब्याजसंग्रहकेधिएजयपुरद्धस्थिअनुसूधर् िबैंकमेंजमाकरिाएगा।

6. धनधिकाप्रशासन।धनधिकाप्रशासन, धजसमेंउसकी ि ृद्धिऔरआयशाधमिहै, अधिधनयमऔरउसकेअीनबनाएगएधनयमोंऔरधिधनयमोंकेप्रा ि ि ानोंकेअीनबोडचमेंधनधहिहोगा।

7. बोर्डकीस्थापिाऔरनिगमि। - (1) जयपुरसुदसदाबराि धनधिकेधिएएकप्रबंि बोडचकीस्थापनाकीजाएगी। (2) बोडचएकधनगधमिधनकायहोगा, धजसकाशाश्विउत्तराधिकारहोगाऔरएकसामान्यमुहरहोगी, धजसमेंअनुबंि करनेऔरर्ि ि थाअर्ि दोनोंप्रकारकीसंपधत्तयोंकोअधजचिकरने, उनकाधनपटानकरनेि थाउन्हेंि ि ारणकरनेकीशद्धक्तहोगी, ि थाि हअपनेसंयुक्तनामसेि ि ादिासकेगाऔरिादिासकेगा।

8. अिुबंि। - इसअधिधनयमकेअीनअपनेकिचव्ि ो ंकेधनिचहनमेंबोडचद्वाराधकएजानेि ि ाि ि सभीसमझौि ि औरसंपधत्तकेआश्वासनबोडचपरबाध्यकारीहोनेकेधिए, बोडचकेअध्यिकेनामसेर्ि ि एजाएंगेि थाबोडचकीओरसेउनकेद्वाराहस्ताि ररिधकएजाएंगेि थासरकारीप्रधिभूधियोंकीि ि ागिकोि ि ोड़कर, धजसकेधिएिारा 5 मेंप्राि ि ि ानधकयागयाहै, बोडचकेसधर्ि केपासरहेंगे।

9. बोर्डकीसंरचिा। - (1) बोडचमेंएकिंशानुगिअध्यिि थासदस्यहोंगे। (2) शासकबोडचकाि ि शानुगिअध्यिहोगा। (3) बोडचकेसदस्यधनम्नधिद्धखिहोंगे, अथाचि्:-

(i) राज्यसरकारकाएकअधिकारी, धजसेउसकेद्वारानाधमिधकयाजाएगा;

(ii) शासककेपररिारकाएकअधिकारी, धजसेउसकेद्वारानाधमिधकयाजाएगा;

(iii) पूि चिि ि ीजयपुरराज्यमेंसद्धिधिि ि ि त्ि ो ंमेंधनिासकरनेि ि ाि ि ाएकगैर-सरकारीव्द्धक्त, धजसेशासकद्वारानाधमिधकयाजाएगा; ि था

(iv) पूि चिि ि ीजयपुरराज्यमेंसद्धिधिि प्रदेशोंमेंधनिासकरनेि ि ाि ि ाएकपदाधिकारी, र्ि ाहेि हसेि ि ाधनिृत्तहोयासरकारकीसधियसेि ि ामेंहो, धजसेशासकद्वाराराज्यसरकारकेअनुमोदनसेमनोनीि धकयाजाएगा। (4) उपिारा (3) केअीनमनोनीि सदस्योंकेनामराज्यसरकारद्वाराराजपत्मेंअधिसूधर्ि धकएजाएंगे।

10. सदस्ि ो ंकीपदािवि। - (1) बोडचकेसदस्यराजपत्मेंउनकेमनोनयनकीअधिसूर्नाकीधिधथसेपांर्ि षचकीअिधि कपदिारणकरेंगे: बशिेधकउक्तपांर्ि षचकीअिधिकीसमाद्धप्तपरिबोडचकेसदस्यकेरूपमेंपुनःमनोनयनकेपात्होंगे: बशिेधकबोडचकेपदेनसदस्य, बोडचकेसदस्यकेरूपमेंमनोनीि धकएगएपदोंपरनहींरहनेपरऐसेसदस्यकेरूपमेंपदिारणनहींकरेंगे। (2) बोडचकेसदस्योंमेंमृत्यु, त्यागपत्, शारीररकया मानधसकअशक्तिायाअन्यकारणसेहुईकोईआकद्धिकररद्धक्त, ि ि ारा 9 कीउपिारा (3) मेंधनधहिप्राि ि ि ानोंकेअनुसारनामांकनद्वाराभरीजाएगी, ि थाइसप्रकारनाधमिव्द्धक्तउसशेषअिधिकेधिएबोडचकेसदस्यकेरूपमेंकायचकरेगा, धजसकेधिएिहसदस्य, धजसकेस्थानपरउसेनाधमिधकयागयाहै, आकद्धिकररद्धक्तनहोनेपरऐसेसदस्यकेरूपमेंपदिारणकरिा।

11. बोर्डकासनचवऔरकमडचारीगण। - (1) बोडचकेअध्यिद्वारा, बोडचद्वारासमय-समयपरधनिाचररिसेि ि ाकीशिोंपरबोडचकाएकसधर्ि धनयुक्तधकयाजाएगा। (2) सधर्ि ऐसेअन्यकमचर्ि ाररयोंकोधनयुक्तकरसकेगा, धजन्हेंबोडचसमय-समयपरधनिाचररिकरे।

12. बोर्डकाकायाडलयऔरबैठकें। - (1) बोडचकाकायाचियजयपुरमेंहोगा। (2) बोडचअपनेकायचकेसंर्ि ाि निकेधिएधिधनयमोंद्वाराधनिाचररिअंि रािि ो ंपरजयपुरमेंबैि ककरेगा। (3) बोडचकेअध्यिसधहिधकसीभीि ि ीनसदस्योंकीउपद्धस्थधिबोडचकीबैि कमेंउसकेकामकाजकेधिएआिश्यककोरमकागिनकरेगी। (4) बोडचकीप्रत्येकबैि ककीअध्यिि ि ाअध्यिद्वाराकीजाएगीऔरउसकीअनुपद्धस्थधिमें, उसबैि ककीअध्यिि ि ाकरनेकेधिएउपद्धस्थिसदस्योंद्वाराअपनेमेंसेर्ि ुनेगएसदस्यद्वाराकीजाएगी। (5) बोडचकीबैि कमेंआनेि ि ाि ि सभीप्रश्ि ो ंकाधनणचयउसमेंउपद्धस्थिऔरमिदानकरनेि ि ाि ि सदस्योंकेबहुमिसेधकयाजाएगाऔरमिोंकीबराबरीकीद्धस्थधिमेंअध्ययाअध्यिि ि ाकरनेि ि ाि ि व्द्धक्तकेपासधनणाचयकमिहोगाऔरिहउसकाप्रयोगकरेगा।

13. बोर्डकेकायडऔरकायडवानियाँररद्धि, दोषयाअनियनमतताकेकारणअवैि ि ि ि ि ी ंि ि ो ंगी। - बोडचद्वाराधकयागयाकोईभीकायचयाकीगईकायचािाहीकेि ि उसकेसदस्योंमेंधकसीररद्धक्तकेअद्धस्तत्वकेकारण, याउसकेगिनमेंधकसीदोषयाउसकेद्वाराअपनाईगईप्रधियामेंधकसीअधनयधमि ि ाकेकारणअिैि नहींहोगी।

14. बोर्डकेकतडव्य। -इसअधिधनयमऔरउसकेअीनबनाएगएधनयमोंऔरधिधनयमोंकेउपबंिोंकेअीनरहिहुए, बोडचधनधिकेप्रशासन, धिधनयमन, प्रबंिन, संर्ािनऔरउपयोगिथाइसकीअधभिृद्धिऔरआयकेधिएउत्तरदायीहोगा।

15. सनचवकेकतडव्य.- (1) सधर्िबोडचकीप्रत्येकबैिकमेंउपद्धस्थिरहेगा, उसेबोिनेकाअधिकारहोगा, धकन्तुिोटदेनेकानहीं, उसकाकायचिृत्तिैयारकरेगािथाउसकेधनणचयोंकेकायाचन्वयनकीधदशामेंकदमउिाएगा।(2) िहधनधिकामुख्यकायचकारीअधिकारीहोगािथाइसरूपमेंिहउनकिचव्ोंकाधनिचहनकरेगा, कायचकरेगािथाउनशद्धक्तयोंकाप्रयोगकरेगाजोधिधनयमोंद्वाराधनिाचररिकीजासकिीहैंयाजोउसेबोडचयाउसकेअध्यि द्वारासौंपीजासकिीहैं।

16. निनिकाउपयोग, उसकीवृद्धितथाआय। - (1) राज्यसरकारकीधिद्धखिअनुमधिकेधबना, धनधिकीपूंजीराधशकाकोईभीभागिारा 5 मेंप्राििधनिधनिशकेअिािअन्यधकसीरूपमेंव्यनहींधकयाजाएगा। (2) िारा 4 मेंिधणचिधनधिकीआयधनम्नधिद्धखिप्रयोजनोंकेधिएधिधनयमोंद्वाराधनिाचररिरीकेसेव्यकीजाएगी, अथाचि्:-

(i) बोडचकेसधर्िऔरकमचर्ाररयोंकोिेिनकाभुगिान, (ii) धनधिकेप्रशासनऔरप्रबंिनकेसंबंिमेंबोडचद्वाराधकएगएअन्यआिीऔरअनािीव्यकीपूधिच। (iii) कमसेकमपर्ासअंिे, धिकिांगयाधनराधिव्द्धक्तयोंकोिस्तुयानकदरूपमेंपेधटयायादैधनकभत्ताधिररिकरना, और (iv) गरीबऔरअसहायधििाऔरबच्ोंऔरधिकिांगऔरधनराधिव्द्धक्तयोंकोभरण-पोषणभत्ताप्रदानकरना।

17. निनिकाबजट। - (1) बोडचअपनीस्थापनाकेिीनमहीनेकेभीिरऔरउसकेबादप्रत्येकधित्तीयिषचकेप्रारंभसेकमसेकमएकमहीनेपहिे, अगिेधित्तीयिषचकेधिएबजटिैयारकरेगायािैयारकरिाएगाऔरउस िषचकेप्रारंभसेपहिेएकबैिकमेंउसपरधिर्ारकरेगाऔरउसेपाररिकरेगा। (2) इसप्रकारपाररिबजटकीएकप्रधिराज्यसरकारकोभेजीजाएगी।

18. लेखाऔरलेखापरीिा। - (1) धनधिकेखािोंकोऐसेिरीकेऔरऐसेप्रारूपमेंरखाऔरबनाएरखाजाएगाजैसाधकधिधनयमोंद्वाराधनिाचररिधकयाजासकिाहै। (2) प्रत्येकधित्तीयिषचकीसमाद्धप्तकेिहमहीनेकेभीिर, बोडचधनधिकेखािेमेंप्राद्धप्तयोंऔरव्य, इसकेअधभिृद्धिऔरित्कािपूिचिीिषचकीआयकेसहीखािेिैयारकरिाएगा। (3) ऐसेखािोंकािेखा-जोखार्ाटचडचअकाउंटेंटद्वाराधकयाजाएगा। (4) िेखापरीिककीररपोटचकीएकप्रधि, इसप्रकारिैयारधकएगएिेखाओंकीएकप्रधिकेसाथ, बोडचद्वाराराज्यसरकारकोभेजीजाएगी, जोउसेराज्यधििानमंडिकेसदनकेपटिपररखेगी।

19. प्रशासिररपोटड.- (1) बोडचप्रत्येकधित्तीयिषचकीसमाद्धप्तकेिहमहीनेकेभीिरधनधिकेप्रशासनपरएकररपोटचिैयारकरेगाऔरराज्यसरकारकोप्रस्तुिकरेगा।

(2) ऐसीररपोटचराज्यधििानमंडिकेसदनकेपटिपररखीजाएगी।

20. नियमबिािेकीशद्धि.-राज्यसरकारइसअधिधनयमकेउपबंिोंकेअनुरूप, इसकेसभीयाधकसीप्रयोजनकोकायाचद्धन्विकरनेकेधिएधनयमबनासकिीहै।

(2) इसअधिधनयमकेअीनबनाएगएसभीधनयम, बनाएजानेकेपश्चाियथाशीघ्र, राज्यधििानमंडिकेसदनकेसमि, जबिहसत्मेंहो, कमसेकमर्ौदहधदनकीअिधिकेधिएरखेजाएंगे, जोएकसत्मेंअथिादोिधमकसत्ोंमेंपूरीहोसकेगीऔरयधदउससत्की, धजसमेंिेरखेगएहों, अथिाउसकेिीकबादिािेसत्कीसमाद्धप्तकेपूिच, राज्यधििानमंडिकासदनऐसेधकसीधनयममेंकोईपररििचनकरिाहैअथिासंकल्पकरिाहैधकऐसाकोईधनयमनहींबनायाजाएगा, िोऐसाधनयमित्पश्चाि्ऐसेपररिधिचिरूपमेंहीप्रभािीहोगाअथिाउसकाकोईप्रभािनहींहोगा, जैसाभीमामिाहो, िथाधपऐसाकोईपररििचनअथिाधनरस्तीकरणउसकेअीनपहिेकीगईधकसीबािकीिैिििापरप्रधिकूिप्रभािनहींडािेगा।

21. नवनियमबिा◌ि◌ेकीशक्ति। - (1)
बोडचऐसेधिधनयमबनासकिाहैजोइसअधिधनयमिथाइसकेअीनबनाएगएधनयमों, यधदकोईहों, केउपबंि◌ि◌ोंसेअसंगिनहों-

(क) बोडचकेकायचसंर्◌ाि◌निथाइसकीबैि◌कोंकेआयोजनकोधिधनयधमिकरना,

(ख) धनधिकेसमुधर्◌ि◌प्रशासन, रखरखाि◌ि◌िथाप्रबंि◌नकीव्◌ि◌स्थाकरना,

(ग) बोडचिथाइसकेअध्यिऔरसधर्◌ि◌केकिचव्◌ि◌ोंकोधिस्तारसेधनधदचष्ट्करना,

(घ) धनधिकीआयमेंसेपेटीसिथारखरखाि◌भत्ताप्रदानकरना,

(ङ) बोडचकेसधर्◌ि◌ि◌िथाअन्यकमचर्◌ाररयोंकीसेि◌ि◌ाकीशिोंकोधिधनयधमिकरना,

(र्) धनधिकेि◌ि◌ेखारखनेि◌िथारखरखाि◌काि◌रीकाि◌िथारूपधनिाचरिकरना, ि◌था (ि◌) अन्यमामिोंकीव्◌ि◌स्थाकरनाधजन्हेंइसअधिधनयमद्वाराधनयमोंद्वाराधनिाचररिधकयाजानाधिशेषरूपसेअपेधिि◌नहींहैि◌थाजोइस अधिधनयमकेउद्देश्यिथाप्रयोजनोंकोआगेबढानेमेंसहायकहोसकिेहैं। (2)
इसप्रकारबनाएगएधिधनयमिबिकिागूनहींहोंगेजबिकधकउन्हेंराज्यसरकारद्वाराअनुमोधदिनहींकरधदयाजाि◌ि◌ाहैऔरबोडचकेसधर्◌ि◌केहस्ताि◌रसेकायाचियराजपत्मेंप्रकाधशिनहींकरधदयाजाि◌ि◌ाहै।